पाठ 1. हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों की पड़ताल

अभ्यास-प्रश्नावली

प्रश्न-1. अतीत में 'विदेशी' किसे कहा जाता था ?

उत्तर- (i) मध्य कल में 'विदेशी' उस व्यक्ति को माना जाता था, जो उस समाज या संस्कृति का हिस्सा नहीं होता था और एक अजनबी होता था |

(ii) लेकिन एक ही गाँव में रहने वाले दो मजदूर परस्पर विदेशी नहीं होते थे, चाहे उनके धर्म या जाती अलग-अलग हो |

प्रश्न-2. नीचे उल्लिखित बाते सही है या गलत -

(क) सन 700 के बाद के काल के संबंध में अभिलेख नहीं मिलते है |

(ख) इस काल के दौरान मराठो ने अपने राजनीतिक महत्त्व की स्थापना की |

(ग) कृषि-केन्द्रित बस्तियों के विस्तार के साथ कभी-कभी वनवासी अपनी जमीन से उखाड़ बाहर कर दिए जाते थे |

(घ) सुल्तान गयासुद्दीन बलबन असम,मणिपुर तथा कश्मीर का शासक था |

उत्तर- (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत

प्रश्न-3. रिक्त स्थानों को भरें -

(क) अभिलेखागारों में...................रखे जाते हैं |

(ख) ....चौदहवीं सदी का एक इतिहासकार था |

(ग) ...., ..., ..., ... और .... इस उपमहादीप में इस कल के दौरान लाई गई कुछ नई फसलें हैं |

उत्तर- (क) दस्तावेज़, पांडुलिपियाँ, पुराना कार्यालयी रिकार्ड और लें-दें के ब्यौरे

(ख) जियाउद्दीन बर्नी, (ग) आलू, मक्का, मिर्च, चाय, कॉफी |

प्रश्न-4. इस काल के दौरान हुए कुछ प्रोधोगिकीय परिवर्तनों की तालिका दे |

उत्तर- इस कल के दौरान हुए कुछ प्रोधोगिकीय परिवर्तन है -

(i) सिंचाई में राहत, (ii) कताई में चरखा, (iii) युद्ध में आग्नेयास्त्र |

प्रश्न-5. इस कल के दौरान हुए कुछ मुख्य धार्मिक परिवर्तनो की जानकारी दे |

उत्तर- इस कल के दौरान हुए कुछ मुख्य धार्मिक परिवर्तन थे -

(i) हिन्दू धर्म में नए-नए देवताओं की पूजा आरम्भ हुई और राजाओ द्वारा मंदिरों का निर्माण करवाया गया |

(ii) समाज में पुरोहितो के रूप में ब्राह्मणों का महत्त्व बढता गया |

(iii) ब्राह्मणों और उनके संरक्षकों के बिच नया ओजपूर्ण संबद्ध कायम हुआ – नए शासको प्रतिष्ठा की चाह में थे |

(iv) भक्ति की आव्धारना का उद्भव हुआ |

(v) उपमहाद्वीप में कुरान की शिक्षा और मुस्लिम धर्म का आगमन हुआ|

प्रश्न-6. पिछली कई शताब्दियों में 'हिंदुस्तान' शब्द का अर्थ कैसे बदला है ?

उत्तर- समय के साथ 'हिंदुस्तान'शब्द का अर्थ निम्न प्रकार से परिवर्तित हुआ - (i)वर्तमान में 'हिंदुस्तान' शब्द का अर्थ 'भारत' आधुनिक राष्ट्र-राज्य समझा जाता है|

(ii) लेकिन 13वीं सदी के इतिहासकार मिन्हाज-ए-सिराज ने 'हिंदुस्तान' शब्द का प्रयोग किया था| तो उसका आशय पंजाब, हरियाणा और गंगा-यमुना के बीच में स्थित इलाको में था | उसने इस शब्द का राजनीती संदर्भ में प्रयोग किया था |

(iii) सोलहवीं सदी के आरम्भ में बाबर ने 'हिंदुस्तान' शब्द का प्रयोग इस उपमहाद्वीप के भूगोल, पशु-पक्षियों और यहाँ के निवासियोकी संस्कृति का वर्णन करने के लिए किया था |

(iv) यह प्रयोग चौदहवी सदी के कवि अमीर खुसरो द्वारा प्रयुक्त हिंद के ही कुछ-कुछ समानं था |

प्रश्न-7 जातीयो के मामले कैसे नियंत्रित किये जाते थे |

उत्तर- (i) जातियां स्वयं अपने – अपने नियम बनाती थी |

(ii) इन नियमो का पालन जाति के बड़े-बुजुर्गो की एक सभा करवाती थी | जिसे कुछ इलाको में जिसे पंचायत कहा जाता था |

(iii) जातियों को अपने निवास के गाँवो के रिवाजो का पालन करना पड़ता था |

प्रश्न-8 सर्वक्षेत्रिय साम्राज्य से आप क्या समझते है ?

उत्तर- जो साम्राज्य ऐसे प्रतिकूल क्षेत्रो को नियंत्रित या शासित करते है सर्वक्षेत्रिय साम्राज्य कहलाते है | जैसे – चोल, तुगलक |

(i) मध्य युग के दौरान उपमहाद्वीप के विशिष्ट क्षेत्रो के बीच बेहद विविधता थी |

(ii) प्रत्येक क्षेत्र की अपनी भौगोलिक विशेषता, अपनी भाषा और सांस्कृतिक विशेषताएँ थी |

(iii) ये क्षेत्र विशिष्ट शासित राजवंशो से संबंध थे |

(iv) इन राज्यों के बीच गहरे संघर्ष थे |

आइए विचार करे –

प्रश्न–9. पांडुलिपियों के उपयोग में इतिहासकारों के सामने कौन-कौन सी समस्याएँ आती है ?

उत्तर- समस्याएँ निम्न है –

(i) पांडुलिपियाँ को समझना कठिन होता है |

(ii) जब लेखक पांडुलिपियों की नक़ल करते है तो वे उसमे कुछ बदलाव भी करते है जो बाद में बढ़ते चले जाते है |

(iii) इतिहासकारों को नकलों पर ही निर्भर रहना पड़ता है क्योकि मूल पांडुलिपियाँ मुश्किल से मिलती हैं |

प्रश्न-10. इतिहासकार अतीत को कालो या युगों में कैसे विभाजित करते है ? क्या इस कार्य में उनके सामने कोई कठिनाई आती है ?

उत्तर- (i) अधिकतर इतिहासकार आर्थिक तथा सामाजिक कारको के आधार पर अतीत के विभिन्न काल-खंडो की विशेषताएं तय करते हैं |

(ii) अतीत को काल-खंडो में बाँटने के दौरान इतिहासकारों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योकि, मध्यकाल में बड़े प्रोधोगिकीय विकास हुए जिन्हें समकालीन संदर्भ में आधुनिक कहा जा सकता हैं | लेकिन तब भी इस काल को 'मध्यकाल' कहा जाता हैं आधुनिक

नहीं | दूसरी ओर मध्यकाल का अतीत आधुनिक अतीत का अनुसरण करता हैं |